हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

WWW.JANVEENA.COM

जनवीणा

स्वर जन-मन का...

वर्ष : 13 | अंक : 07 | लखनऊ, 21 जनवरी, 2024 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रूपये

अंदर से ऐसा दिखता है भव्य श्रीराम मंदिर, आकर्षक लाइटिंग और फूलों से किया गया है सुसज्जित

अयोध्या। सदियों के इंतजार के बाद वो समय आ गया है जब दुनिया भर में फैले करोड़ों रामभक्त भव्य राम मंदिर में अपने प्रभु के दर्शन कर सकेंगे। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा और हर कोई दर्शन कर सकेगा। सोमवार को देश भर में लोगों से राम ज्योति जलाने का आग्रह किया गया है। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए मंदिर को अंदर से बेहद भव्य तरीके से सजाया गया है। मंदिर को अंदर से फूलों से सुसज्जित किया गया है। वहीं, अलग-अलग तरह की प्रकाश व्यवस्था मंदिर को दर्शनीय बना रही हैं। अंदर और बाहर सजावट के लिए शानदार लाइटिंग की गई है। बताया जा रहा है कि प्राण प्रतिष्ठा के दिन मंदिर का सौंदर्य अपने उत्कृष्ट पर होगा।

गर्भगृह में पहुंचे रामलला तो जगद्गुरू ने इस तरह जताई खुशी, लगा जैसे फिर वन से श्रीराम आए

अयोध्या। भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के गर्भगृह में पहुंचने पर जगद्गुरू रामभद्राचार्य ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि लगता है कि प्रभु श्रीराम वन से एक बार फिर अयोध्या आ गए हैं। अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर के गर्भगृह में रामलला को स्थापित कर दिया गया है। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए तैयारी की जा चुकी है। इस मौके पर जगद्गुरू रामभद्राचार्य ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि मुझे ऐसा लग रहा है जैसे भगवान श्रीराम 14 वर्षों के बाद एक बार फिर वन से वापस आ रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने भगवान श्रीराम के सौंदर्य को शब्दों में वर्णन किया। रामभद्राचार्य के सांसारिक नेत्र नहीं हैं लेकिन उनके भक्त मानते हैं कि वह अपने दिव्य चक्षुओं से सबकुछ देख लेते हैं।

हर रोज एक घंटे 11 मिनट पूजा करते हैं पीएम मोदी, गौसेवा के साथ ही कर रहे विभिन्न दान

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए विशेष अनुष्ठान कर रहे हैं। इस दौरान वह गौपूजा करते हैं और गायों को चारा भी खिला रहे हैं।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद भी विशेष अनुष्ठान कर रहे हैं। इस दौरान वह अपने रोजमर्रा के कार्यों को भी पूरा कर रहे हैं। पीएम मोदी हर रोज ब्रह्म मुहूर्त में एक घंटे 11 मिनट तक पूजा करते हैं।

इस दौरान वह यम नियमों का पालन करते हुए फर्श पर कंबल ओढ़कर सो रहे हैं और आहार में सिर्फ नारियल पानी ले रहे हैं। वह हर रोज गौपूजा करते हैं और गायों को चारा खिलाते हैं। वह प्रतिदिन अलग-अलग तरह के दान जैसे अन्नदान, वस्त्रदान इत्यादि भी करते हैं। प्रधानमंत्री देश के अलग-अलग मंदिरों का दौरा भी कर रहे हैं। खास बात है कि इन मंदिरों का जुड़ाव किसी न किसी तरह से भगवान श्रीराम से रहा है।

दो दिन नहीं हो सकेंगे रामलला के दर्शन: रामनगरी आने वाले श्रद्धालुओं को शनिवार से तीन दिनों तक रामलला के दर्शन नहीं होंगे। 20 व 21 को अस्थायी राममंदिर में दर्शन बंद रहेगा, जबकि 22 जनवरी को नए मंदिर में रामलला की अचल मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इस दिन केवल प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मौजूद अतिथियों को ही दर्शन मिलेगा। आम श्रद्धालु 23 को ही नए मंदिर में रामलला के दर्शन कर पाएंगे। प्राण प्रतिष्ठा में आने वाले मेहमानों को दिया जाएगा ये प्रसाद: रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने वाले मेहमानों को प्रसाद के रूप में सरयू जल, कलावा, सुपारी, अक्षत व लड्डू दिया जाएगा। उदासीन आश्रम रानोपाली में गुजरात की संस्था प्रसाद के 20 हजार पैकेट तैयार करा रही है। इस पैकेट में सरयू जल, कलावा, अक्षत व सुपारी की थैली सहित दो लड्डू होंगे। यही प्रसाद मेहमानों को प्रसाद के रूप में भेंट किया जाएगा।

सम्पादकीय

ईरान-पाक टकराव

एक ओर रूस-यूक्रेन तथा इजरायल-फिलीस्तीन संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहे हैं, दूसरी तरफभारत के पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान और ईरान के बीच टकराव शुरू हो गया है, जो विश्व शांति के लिये बड़ा खतरा बन सकता है। वैसे ईरान ने इसी के साथ अपने दो और मुल्कों पर हमले किये हैं। ये देश हैं सीरिया व इराक। इन हमलों की गम्भीरता को देखते हुए सुलह के प्रयासों की तत्काल जरूरत आन पड़ी है। पहले उल्लेखित संघर्षरत मुल्कों के बीच युद्धों के अपने-अपने कारण हैं, परन्तु ताजा लड़ाई (ईरान-पाक) की वजह एक दूसरे पर आतंकवाद को बढ़ावा देना है। दोनों देशों के बीच तल्खी इस कदर बढ़ गई कि दोनों ने एक दूसरे के उच्चायुक्तों को अपदस्थ कर दिया है। वैसे युद्ध जिस भी कारण से हो रहा हो, आवश्यक है कि दोनों देश परस्पर संवाद से समस्या का निदान ढूंढ़े। मंगलवार को ईरान ने उससे लगे पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र में आतंकी समूह जैश-अल-अदल के दो ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से आक्रमण कर दिया। हमले के जवाब में ईरान पर एयर स्ट्राईक कर दी गई। खुद ईरान ने स्वीकारा है कि पाकिस्तानी हमले से उसके सिस्तान-बलूचिस्तान क्षेत्र में 7 लोग मारे गये हैं, जिनमें तीन महिलाएं और चार बच्चे हैं। इसके पहले भी 2016 में ईरान ने पाक सीमा में घुसकर मोर्टार हमले किये थे। इन दोनों देशों के बीच तकरीबन 900 किलोमीटर की सीमा लगती है। 2017 में पाक संरक्षित आतंकवादियों ने ईरान के 10 सुरक्षाकर्मियों को मार डाला था, तभी से दोनों देशों के बीच कई बार सम्बन्ध बिगड़ते भी रहे। ईरान एक शिया और पाकिस्तान सुन्नी मुसलमान देश है, जो उभय पक्षों के बीच खट्टे-मीठे सम्बन्धों का एक और कारण है। पाकिस्तान की सऊदी अरब से बढ़ती नजदीकियां भी ईरान को रास नहीं आ रही हैं, जबकि 1965 में भारत-पाक युद्ध में ईरान ने पाकिस्तान का साथ दिया था। पाकिस्तान पर ईरान का तो आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप है ही, खुद पाकिस्तान का कहना है कि ईरान में सक्रिय बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और बलूचिस्तान लिबरेशन फोर्स (बीएलएफ) को उस देश के द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है जो पाकिस्तान में सरकार विरोधी कार्रवाइयां कर रहे हैं। पाकिस्तान ने कथित रूप से इन्हीं संगठनों के ठिकानों पर हमले किये हैं। पाकिस्तान की उत्तर में बलूचिस्तान स्थित है जिसकी सीमा अफगानिस्तान से लगती है और पश्चिम में ईरान से सटी हुई है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध बलूचिस्तान को उसके इस संसाधन का लाभ नहीं मिल पाता और वहां से निकलने वाले खनिजों का फायदा पाकिस्तान के पंजाब इलाकों को ज्यादा मिलता है। इसलिये बलूचिस्तान के लोग सरकार से नाराज हैं और वे अलग होने की मांग तक करते आये हैं। जबसे पाकिस्तान ने इन खनिजों को चीन के लिये भी खोल दिया है, बलूचियों की नाराजगी और ज्यादा बढ़ गई है। बीएलए और बीएलएफजैसे संगठन पाकिस्तानी व चीनी सेना के जवानों को निशाना बना रहे हैं। ईरान का मानना है कि पाकिस्तान, सीरिया एवं इराक तीनों ही आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं इसलिये उसने अपने हितों की रक्षा के लिये तीनों मुल्कों पर हल्ला बोला है। दावोस में जारी वर्ल्ड इकानॉमिक फेरम में हिस्सा ले रहे ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि जैश-अल-अदल पाकिस्तान की धरती से ईरान के खिलाफसक्रिय आतंकी संगठन है। ईरान लम्बे समय से कहता आया है कि पाकिस्तान उनके देश के खिलाफकाम कर रहे आतंकी समूहों को पनाह और प्रोत्साहन देता है। कई कार्रवाइयों की उसने जिम्मेदारी भी ली है। इसने ईरान में 2013 में बड़ा हमला किया था। ईरान के अलावा अमेरिका, जापान, न्यूजीलैंड आदि कई देशों ने इसे आतंकवादी संगठनों की सूची में डाल रखा है। वैसे दोनों देशों (ईरान-पाकिस्तान) के बीच कभी नरम तो कभी गरम वाले सम्बन्ध होते हैं। कुछ अरसा पहले दोनों देशों ने संयुक्त युद्धाभ्यास भी किया था लेकिन आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी जैसे मामलों को लेकर खटास भी हो जाती है। हाल के वर्षों में रिश्ते इस कदर बिगड़ जाने की मुख्य वजह बलूचिस्तान के सीमावर्ती शहर पंजगुर में जैश-अल-अदल को शरण मिलना है। चीन से दोनों के अच्छे ताल्लुक हैं जो इस तनातनी से अपने व्यवसायिक हितों के चलते चिंतित है। दोनों चीन प्रवर्तित शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) के सदस्य हैं, इसलिये बुधवार को चीन के विदेश मंत्रालय के ओर से बयान जारी कर मसले को बातचीत से हल करने की सलाह दी गई है। इस बीच खाड़ी देशों के बीच स्थितियां और अंतरराष्ट्रीय सम्बन्ध काफी बदले हैं। भारत के साथ ईरान के सम्बन्ध कच्चे तेल के व्यवसाय पर निर्भर हैं। भारत ईरान का बड़ा आयातक देश है, इसलिये इस सशस्त्र संघर्ष का उसके शेयर बाजार पर पड़ना लाजिमी है।

राम मन्दिर को लेकर पूर देश में चल रही मुहिम

बादल सरोज

अयोध्या में अभी तक अधबने मंदिर को लेकर देश भर में चलाई जा रही मुहिम की श्रृंखला में मध्यप्रदेश सरकार के धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के अपर मुख्य सचिव के हस्ताक्षरों से 12 जनवरी को समस्त कलेक्टरों के लिए एक आदेश जारी किया है। इस आदेश में उन्होंने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के तारतम्य में 16 से 22 जनवरी तक सभी सरकारी भवनों, स्कूलों, मंदिरों, गांवों, कस्बों, शहरों में किये जाने वाले आयोजनों को सूचीबद्ध करते हुए कलेक्टरों को उनके प्रबंधन के निर्देश दिए हैं। इस तरह पूरे सप्ताह भर तक मध्यप्रदेश की सरकार, जिस काम के लिए उसे चुना गया है अपना वह सारा कामकाज छोड़कर, दीये जलायेगी, मन्दिर सजायेगी, भंडारे करवायेगी और सरकारी बिल्डिंगों पर झालरें लटकवायेगी। इस आशय के बाकायदा आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। आदेश में प्रदेश के सभी कलेक्टरों से 9 काम करने के लिए कहा गया है। इन कामों में पहला काम 16 जनवरी से 22 जनवरी तक प्रत्येक मंदिर में राम कीर्तन कराने, मंदिरों में दीप जलाने और हर घर में दीपोत्सव के लिए आमजन को जाग्रत करने का है। इस पहले काम के अलावा बाकी के आठ कामों में हर नगर तथा हर गांव में राम मंडलियों के कार्यक्रम करवाना, हर शहर गांव के मुख्य मंदिरों पर टीवी स्क्रीन लगाकर कार्यक्रम का लाइव प्रसारण कराना और इसमें लोगों की भागीदारी कराना, 22 जनवरी को सभी प्रमुख मंदिरों में भंडारों का आयोजन कराना, मंदिरों में साफ-सफाई, दीप प्रज्वलन के साथ ही श्रीराम-जानकी आधारित सांस्कृतिक आयोजन करवाना, शहरों में नगरीय विकास तथा आवास विभाग, गांवों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा साफसफाई के साथ सभी सरकारी इमारतों तथा स्कूल एवं कालेजों में साज-सज्जा करवाना, प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों में 16 से 21 जनवरी विशेष सफाई अभियान और 21 से 26 तक झालरें लटकाने-लाइटिंग की व्यवस्था करवाना, 11 से 21 जनवरी तक प्रदेश के 20 जिलों में हो रही रामलीलाओं-श्रीरामचरित लीला समारोह- के लिए समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना शामिल हैं। कलेक्टरों को सौंपा गया नौवां काम है स्पेशल ट्रेनों तथा सड़क मार्गों से अयोध्या जा रहे तीर्थ यात्रियों के सम्मानध्स्वागत की व्यवस्थाएं स्थानीय निकायों तथा स्थानीय जनों के सहयोग से सुनिश्चित करना। भारतीय संविधान के तहत निर्वाचित, उसके अनुरूप चलने की शपथ लेकर सत्तासीन हुई सरकार का यह आदेश भारत दैट इज इंडिया में राजकाज चलाने की अब तक की परम्परा से एकदम अलग तो है ही खुद संविधान सम्मत प्रावधानों के प्रतिकूल और विरुद्ध भी है। भारत का संविधान धर्म और उसके साथ शासन के रिश्तों के बारे में एकदम साफ-साफ प्रावधान करता है। संविधान के अनुच्छेद 25 से लेकर 28 तक में इस बारे में स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया है कि भारत का कोई भी एक आधिकारिक राज्य धर्म नहीं होगा। देश में रहने वाले हर व्यक्ति को किसी भी धर्म को मानने, उसके अनुरूप आचरण करने और अपने धर्म का प्रचार करने का अधिकार होगा। उसके इस अधिकार का संरक्षण करने की गारंटी संविधान देता है और कहता है कि ऐसा हो सके यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सरकार की होगी। संविधान यह भी कहता है कि सरकार किसी भी एक धर्म के प्रति राग या द्वेष से काम नहीं लेगी, न किसी धर्म का विरोध किया जाएगा न ही किसी खास धर्म का समर्थन किया जाएगा। संविधान के अनुच्छेद 25 में प्रत्येक व्यक्ति को अपने धार्मिक विश्वास और सिद्धांतों का प्रसार करने का अधिकार दिया गया है। अनुच्छेद 27 के अनुसार नागरिकों को किसी विशिष्ट धर्म या धार्मिक संस्था की स्थापना या पोषण के बदले में कर- टैक्स- देने के लिये बाध्य नहीं किया जायेगा। वहीं अनुच्छेद 28 के द्वारा सरकारी शिक्षण संस्थाओं में किसी प्रकार की धार्मिक शिक्षा नहीं दिए जाने का प्रावधान किया गया है। अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए यह अनुच्छेद कहता है कि राज्य-निधि से पूर्णतरू पोषित किसी शिक्षा संस्था में कोई धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाएगी। यह भी कि राज्य से मान्यता प्राप्त या राज्य-निधि से सहायता पाने वाली शिक्षा संस्था में उपस्थित होने वाले किसी व्यक्ति को ऐसी संस्था में दी जाने वाली धार्मिक शिक्षा में भाग लेने के लिए या ऐसी संस्था में या उससे संलग्न स्थान में की जाने वाली धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के लिए तब तक बाध्य नहीं किया जाएगा, जब तक कि उस व्यक्ति ने, या यदि वह अवयस्क है तो उसके संरक्षक ने, इसके लिए अपनी सहमति नहीं दे दी है।

इस तरह से पहली नजर में ही मध्यप्रदेश सरकार का यह आदेश भारत के संविधान-जिसकी 75वीं सालगिरह की वर्ष इसी 26 जनवरी से शुरू हो रही है-का सिरे से उल्लंघन करने वाला है। कानून की भाषा में ऐसा कृत्य आपराधिक और दंडनीय माना जाता है। भारत का संविधान 251 पृष्ठों में लिखी 395 अनुच्छेद और 25 भागों में विभाजित, 12 अनुसूचियों में लिखे कुछ नियम कानूनों का संकलन नहीं है, यह कुछ पढ़े-लिखे समझदार लोगों द्वारा अपनी पसंद और रूचि से लिखी बातों का संग्रह भी नहीं है। यह शून्य में से अवतरित, नाजिल हुई अपौरुषेय किताब भी नहीं हैय यह कोई दो सौ साल तक चली आजादी की लड़ाई में कुर्बान हुए शहीदों की अस्थि की कलम से उनके बहाए खून से लिखी गई इबारत है। उस. इंसानों के इतिहास की विराट लड़ाई में शामिल सभी धाराओं के आजाद भारत के स्वरूप के बारे में समझदारी का सार है।

नमन

यह न पूछो कि ध्यान कैसे करना है ? ध्यान करने की भाषा नहीं , होने की घटना है । आओ और देखो , जागो और पाओ ।।

गागर में सागर
बड़े है

वह बैठें हैं, सब खड़े हैं इसीलिये वह बड़े हैं....

देर से सोते है,देर से जगते है,देर से आते है,देर से जाते है,

इसीलिये वह बड़े हैं.....

ऊची आवाज में बोलते है,सबका रास्ता रोकते है, कहने पर भी नही छोड़ते है,

इसीलिये वह बड़े हैं.....

नमस्ते किसी का नही लेते,देखकर भी नही देखते, सिर उठा कर चलते हैं,

इसीलिये वह बड़े हैं.....

बड़ी कार में चलते है,बड़े मकान में रहते हैं ,उनका सब कुछ बड़ा हैं,

इसीलिये वह बड़े हैं.....

बस एक दिल ही छोटा है, वैसे तो वह हर हाल में बड़े हैं. ।।।।

डा. प्रतिभा
गोपेश्वर,वृन्दावन, मथुरा

हमीरपुर-महोबा में ठंड से तीन की मौत

हमीरपुर/महोबा। कड़ाके की ठंड का सितम जारी है। शुक्रवार को हमीरपुर और महोबा में ठंड से तीन मौतें हो गईं। हमीरपुर में जहां एक व्यापारी और महिला की मौत हुई वहीं महोबा में एक युवक की ठंड लगने से मौत हो गई। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान तीन व अधिकतम 12.2 डिग्री रहा। वहीं महोबा में न्यूतम सात और अधिकतम 15 डिग्री रहा। हमीरपुर में शुक्रवार को पारा सबसे सीजन में सबसे न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया। न्यूनतम पारा लुढ़ककर तीन डिग्री और अधिकतम 12.2 डिग्री पर पहुंच गया। सारा दिन धूप न निकलने से गलन बढ़ गई है। हाड़कंपाऊ ठंड में जीव जन्तुओं से लेकर पशु पक्षी तक दम तोड़ रहे हैं। कलक्ट्रेट में एक पक्षी मृत मिला है। सुमेरपुर के वार्ड संख्या 16 के निवासी रामदास गुप्ता (65) गुरुवार को ठंड की चपेट में आ गए। सुबह कस्बे के एक निजी डॉक्टर से इनका उपचार कराया गया, लेकिन राहत नहीं मिली। शाम को हालत बिगड़ने पर परिजन इसको सदर अस्पताल ले गए। उपचार के दौरान देर सदर अस्पताल में इनकी मौत हो गई। कुरारा थाना क्षेत्र के भैंसापाली गांव निवासी विमला (55) पत्नी सुरेंद पाल को शुक्रवार की सुबह सर्दी लगने पर हालत खराब होने पर परिजन स्थानीय सीएचसी उपचार के लिए लेकर आए जहां चिकित्सक डॉक्टर नेहा यादव ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मृतका के भतीजे पुष्पेंद्र पाल ने बताया कि सर्दी लग गई थी।

गीत

बना है मंदिर आलीशान.....
पधारे अवधपुरी में राम
बना है मंदिर आलीशान ।
संग में सीय लखन हनुमान
बना है मंदिर आलीशान ।
पधारे अवधपुरी में राम .
हुए हैं पूरे अब अरमान
बना है मंदिर आलीशान ।.....
सजी है आज अवध नगरी
सुगंधित पुष्प हारों से
अंबर कर रहा स्वागत
अपने चाँद सितारों से
आज आए हैं कृपानिधान
बना है मंदिर आलीशान
पधारे अवधपुरी में राम।
बना है मंदिर.....
बिछा दो पुष्प राहों में
कि अवध में राम आएं हैं
बहुत बाहर रहे प्रभु मेरे
अब अपने घर में आए हैं
बना दो जीवन अब आसान
बना है मंदिर आलीशान
पधारे अवधपुरी में राम ।
बना मन मंदिर आलीशान.....
आज आकर प्रभु मेरे
सकल सब दोष मिटा देना
मृत हो चुकी इंसानियत को
नई संजीवनी पिला देना
अब दे दो अभय वरदान
बना है मंदिर आलीशान
पधारे अवधपुरी में राम
बना है मन्दिर आलीशान
पधारे अवधपुरी में राम

निर्मला जोशी निर्मल
हलद्वानी, देवभूमि, (उत्तराखंड)

हमारे जीवन में विटामिन सी का महत्व

विटामिन-सी की कमी से, स्कर्वी रोग का खतरा बढ़ जाता है।

जब शरीर में, विटामिन %सी% कमी होती है तो स्कर्वी रोग होने की संभावना सबसे ज्यादा रहती है।

इससे मसूड़ों से खून आना, मसूड़ों में सूजन होना, दांत गिरने लगना, थकान, कमजोरी, रैशेज आदि समस्याएं हो सकती हैं।

*विटामिन-सी के लाभ... *

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए,

कमजोर रोग प्रतिरोधक प्रणाली के कारण,

कई प्रकार के संक्रमण और रोगों का खतरा हो सकता है।

सर्दी जुकाम और वायरल इन्फेक्शन,

कोलेजन के लिए,

कैंसर से बचाव,

हड्डियों के लिए,

आंखों को स्वस्थ रखता है,

मसूड़ों को रखे स्वस्थ और

अस्थमा की समस्या में भी लाभ देता है।

*विटामिन %सी% के स्त्रोंत और लाभ... *

आम में विटामिन %सी% भी मिलता है।

सेब में विटामिन %सी% अधिक पाया जाता है। सेब के सेवन से, पुराने असाध्य रोगों में लाभ होता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न करने, सुस्वास्थ्य और शक्ति प्राप्त करने के लिए, नींबू का रस विटामिन %सी% का भण्डार है।

विटामिन %सी% संतरा कुल के सभी फलों में, जैसे नींबू, चकोतरा, मौसमी, माल्टा तथा संतरा में प्रचूर मात्रा में मिलता है ।

आंवला भी विटामिन सी का अच्छा स्त्रोत है।

आंवला में, विटामिन %सी% अन्य यौगिकों के साथ मिलकर, एक गरिष्ठ रसायन बनाता है।

इसी कारण से, आंवला में स्थित विटामिन %सी% का लाभ, शरीर को लम्बे समय तक प्रयोग करने के बाद मिलता है।

*विटामिन-सी का गोला है, *
गोल मटोल आंवला राजा।
*गुण इसके नही मिटते है, *
चाहे सूखा हो या ताजा।।

आंवला में विटामिन-सी, चार संतरे और आठ टमाटर या चार केले के बराबर मिलता है।

संतरा कुल में पाया जाने वाला विटामिन-सी बहुत आसानी से, घुल जाता है और शीघ्र लाभ देता है।

एक या दो नारंगी (संतरा) का सेवन, एक बार में लेने से, शरीर में विटामिन-सी की आवश्यकता पूरी हो जाती है और संक्रामक रोगों से बचाव होता है।

उपवास में नारंगी का सेवन व रस का सेवन करना, दोनों लाभदायक है।

विटामिन-सी, एक एंटीआक्सीडेंट है, जो फ्री रेडिकल्स के प्रभाव को निष्क्रिय कर सकता है।

कील, मुँहासे, झाँइयाँ, प्रदूषण, पराबेंगनी विकिरण, धूम्रपान और तनाव।

ये सभी त्वचा को, दुष्प्रभाव पहुंचाने वाले है।

यदि मुँह पर विटामिन-सी का लेप लगाया जाएं तो त्वचा पर रेशमी आवरण चढ़ जाता है और त्वचा तरो-ताजा रहती है।

आलू में भी विटामिन-सी भरपूर होता है।

इसको मठा मिलाकर पिला सकते है।

आलू भूनकर छिलका सहित सेवन करें तो अत्यंत लाभ मिलता है।

रक्त पित्त का रोग विटामिन-सी की कमी से होता है।

विटामिन-सी को प्राप्त करने के लिए, अंकुरित चने का नाश्ता सुबह करें। इस अंकुरित चने का सेवन अदरक, कालीमिर्च, हरीमिर्च, हरा धनिया, काला नमक, सेंधा नमक और नींबू डालकर सेवन करें।

इस नाश्ते में विटामिन-सी भरपूर मात्रा में मिलता है। यह नाश्ता फेंफड़ो को शक्ति देता है,

वजन व रक्त बढ़ाता है,

रक्त को स्वच्छ करता है,

पाचन क्रिया ठीक रखता है।

चने का सेवन पुष्टीकारक, स्वास्थ्यवर्धक, हृदय रोग शोधक व निवारक है और शरीर में स्फूर्ति देता है।

अपर आयुक्त करेंगे आशीष से यूसुफ बने नायब तहसीलदार की जांच

हमीरपुर। मौदहा में तैनात रहे नायब तहसीलदार द्वारा धर्मांतरण कर आशीष से यूसुफ बनने व पत्नी से बिना तलाक मुस्लिम युवती से निकाह करने के मामले की जांच अपर आयुक्त बांदा को सौंपी गई है। नायब तहसीलदार आशीष गुप्ता की पत्नी आरती की तहरीर पर नायब, मुस्लिम युवती व उसके पिता, मौसा के अलावा दो मौलवियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

मीडिया में माहौल गरम है..

सुना है कड़ाके की ठन्ड में,
मीडिया में माहौल गरम है।
शायद किसी ने ,
सच कह दिया है?
समाज की फटे में टांग अड़ाना,
मीडिया को खूब भाता है।
इस को वह अपना,
कर्तव्य बोध बताता है।।
और बात जब,
अपने पर आती है।
तो मामला प्रेस की आजादी के,
हनन का बन जाता है।।
मीडिया समाज का आईना है,
ऐसा माना जाता है।
समाज को आईना दिखाने वाला,
उसी आईने में अपना चेहरा देख कर
फिर आखिर क्यूँ डर जाता है।।
सच यह है कि आईना न बुरा,
और न किसी को अच्छा दिखाता है।
बस वह तो देखने वाले की सूरत,
हूबहू दिखलाता है।।
पुरानी कहावत है एक मछली,
पूरे तालाब को गंदा कर देती है।
यह कहावत मीडिया पर भी,
एक दम सटीक बैठती है।।
मीडिया भी इसी समाज का हिस्सा है,
और अपवाद हर जगह होते हैं,
मीडिया में भी हैं..
जहां अधिकांश अच्छे तो,
कुछ खोटे सिक्के हैं।।
यहाँ का पाठक बहुत प्रबुद्ध है,
जो सब जानता है।
एक एक चेहरे का सच,
बखूबी पहचानता है।।
सच जानना है तो कभी किसी अधिकारी से या क्रशर- बालू वालों से मिलिए ..
जिन्होंने अगर कभी,
अपनी डायरी दिखा दी,
तो नाम और दाम देखकर,
आपके होश उड़ जायेंगे
फिर चेहरे पर चेहरा लगाये,
लोग किधर जायेंगे।

अजय भाटिया
चोपन- सोनभद्र (उत्तर प्रदेश)
मो - 9838616837

पृथ्वी लोक पर जन्म ले चुके श्री हरि विष्णु के कल्कि अवतार का वास्तविक रहस्मयी तथ्य

पृथ्वी पर भगवानों के विभिन्न अवतारों के कारण दिव्य कृपा से सोने की चिड़िया कहे जाने वाले भारत पर मुगलों ने भारत के हिन्दू मंदिरों में बेहिसाब लूटपाट की और उन् पौराणिक दिव्य धरोहरों को भी ध्वस्त कर दिया ठीक वैसे ही जैसे पौराणिक काल में राक्षस देवताओं के स्वर्ग लोक पर अपनी मायावी शक्तियों और युद्धों के द्वारा आधिपत्य कर लेते थे तब त्रिदेवों ने ही अपनी दिव्य शक्तियों के द्वारा किसी दिव्य ऊर्जा को अवतरित करके देवताओं के स्वर्ग लोक को कई बार मुक्त कराया था।

कुल मिलाकर हम यह समझ सकते हैं कि गुलामी की जंजीरों में जकड़े हुए भारत को भी 15 अगस्त 1947 को 27 नक्षत्रों के सम्राट ब्रह्माण्ड के न्यायाधीश शनि के दिव्य पुष्य नक्षत्र में स्वतंत्रता प्राप्त हुई, ये 14 अगस्त को भी मिल सकती थी लेकिन विधि के विधान को यह मंजूर नहीं था इसलिए पाकिस्तान ने 14 अगस्त 1947 को अपने स्वतंत्र पाकिस्तान का दिन चुना, और भारत के भाग्य में 15 अगस्त 1947 को पुष्य नक्षत्र में गुलामी की जंजीरों में जकड़े हुए भारत की स्वतंत्रता विधि के विधान के द्वारा पूर्व निर्धारित थी क्योंकि पुष्य नक्षत्र में ही कलियुग में श्री हरि विष्णु वैकुंठ लोक से पृथ्वी लोक पर मनुष्य रूप में अपने आखिरी कल्कि अवतार में अवतरित होने का दिन उन्होंने 12 वर्ष के बाद घटित होने

वाले पूर्ण कुम्भ वाले वर्ष में पुष्य नक्षत्र में एक ब्राह्मण परिवार के घर में जन्म लेने का दिन पहले से ही निर्धारित कर लिया था, श्री हरि विष्णु के जन्म का यह एक गुप्त रहस्य है जो कि मुझे अपनी पूर्वजन्म की दिव्य रहस्यमयी अतीन्द्रिय शक्तियों के द्वारा वर्ष 2019 में केदारनाथ धाम में रात्रि विश्राम के दौरान देवों के देव महादेव के द्वारा एक दिव्य प्रकाश के रूप में ज्ञात हुआ था, जो मैनें विधि के विधान के द्वारा उपयुक्त समयावधि आने पर 09 जनवरी 2024 को मीडिया के माध्यम से जगजाहिर कर दिया है, में यह भी जानता हूँ कि कलियुग में मेरे इस रहस्मयी तथ्य को कोई भी व्यक्ति गम्भीरता से नहीं लेगा, लेकिन जो मैनें 09 जनवरी 2024 एवम 12 जनवरी 2024 को मीडिया के माध्यम से उल्लेख किया है वही वास्तविकता है।

09 जनवरी एवम 12 जनवरी 2024 को विभिन्न दैनिक राष्ट्रीय समाचार पत्रों में मीडिया से बातचीत में, मैंने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया था कि कलियुग में भगवान विष्णु के साथ शेषनाग अवतार के सन्दर्भ में एक रहस्यमयी प्रश्न जिसका उत्तर अन्य किसी पौराणिक ग्रंथ में नहीं मिलता है जबकि भविष्य मालिका में इस प्रश्न का उत्तर मौजूद है, एवम मेरी पूर्वजन्म की अतीन्द्रिय दिव्य शक्तियां भी भविष्य मालिका में दिए गए उत्तर का पूर्ण रूप से समर्थन करती हैं।

कुल मिलाकर भविष्य मालिका के अनुसार हम यह समझ सकते हैं कि कलियुग में भगवान विष्णु के आखिरी कल्कि अवतार का स्वरूप महाविष्णु स्वरूप होगा। जिसमें पृथ्वी पर कलियुग में मनुष्य रूप में अवतरित होने वाले महाविष्णु जी में ही बलभद्र/बलदेव (शेषनाग) की एक ही विष्णु अवतार के मानव शरीर में दोनों की शक्ति होगी। वह अपना वैकुंठ धाम छोड़कर पृथ्वी पर पुष्य नक्षत्र में पृथ्वी लोक पर आएंगे ऐसा पौराणिक ग्रंथों स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है, और अपने भक्तों को कलियुग के पापों से मुक्त करेंगे। लेकिन पृथ्वी लोक पर कब आएंगे इस बात की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिलती है, श्री हरि विष्णु के भक्त वैष्णव सम्प्रदाय के लोग अपने बौद्धिक ज्ञान एवम पौराणिक ग्रंथों के आधार पर श्री हरि विष्णु के आखिरी कल्कि अवतार के सन्दर्भ में व्याख्या करते रहे हैं लेकिन इसका वास्तविक रहस्यमयी तथ्य कोई नहीं जानता है सिर्फ पौराणिक ग्रंथों के आधार पर अपने विचारों को व्यक्त करते रहे हैं। इसका वास्तविक रहस्यमयी तथ्यों मेरी पूर्वजन्म की अतीन्दिय दिव्य शक्तियों के आधार पर यह है कि भगवान श्री हरि विष्णु का जन्म पृथ्वी लोक पर अदृश्य रूप में हो चुका है, अब तक उनका वनवास काल था, सामान्य आम जनमानस उनको नहीं देख सकता है, यही वास्तविकता है, 22 जनवरी 2024 से वो पुनः कलियुग में अयोध्या से अदृश्य रूप में सम्पूर्ण संसार पर माता जानकी के साथ राज करेंगे। और कलियुग में छिपे हुए अदृश्य राक्षसों का संहार करेंगे, चाहे वो संहार प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सम्पूर्ण संसार में आये या अन्य किसी रूप में, अखण्ड भारत दिव्य शक्तियों से युक्त पौराणिक काल में भी था, आज भी है और हमेशा रहेगा। और आने वाले समय में भारत तेजी से विश्व गुरु बनने की तरफ अग्रसर होता जाएगा और भारत की धार्मिक ध्वजा सम्पूर्ण विश्व में लहरायेगी।

कुल मिलाकर भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी भी, पृथ्वी लोक पर 1950 में पूर्ण कुम्भ वाले वर्ष में, और 1974 में पूर्ण कुम्भ वाले वर्ष में 27 नक्षत्रों के सम्राट पुष्य नक्षत्र में एक ब्राह्मण परिवार के घर में मनुष्य रूप में अवतरित हो चुके श्री हरि विष्णु के पौराणिक काल के दूत हैं अर्थात एक अवतारी मनुष्य हैं, मोदीजी की आत्मा का जो सम्बन्ध है वो त्रेतायुग और द्वापरयुग से है, और आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी भी साधारण परिवार में वर्ष 1950 में पूर्ण कुम्भ वाले वर्ष में शनि ग्रह के अनुराधा नक्षत्र में ही महालक्ष्मी योग में जन्मे हैं, क्योंकि पुष्य नक्षत्र और अनुराधा नक्षत्र का स्वामी ब्रह्माण्ड के न्यायाधीश शनि ग्रह हैं और भारत को स्वतंत्रता भी 15 अगस्त को शनि के दिव्य पुष्य नक्षत्र में प्राप्त हुई थी। कुल मिलाकर भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी श्री हरि विष्णु के दूत के रूप में पृथ्वी लोक पर दिव्य कृपा से कार्य कर रहे हैं और खंडित पौराणिक दिव्य धरोहरों को फिर से पुनः स्थापित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं क्योंकि श्री हरि विष्णु अदृश्य रूप में जन्म ले चुके हैं।

एस्ट्रोलॉजर पं प्रमोद गौतम
वरिष्ठ पत्रकार
चेयरमैन- वैदिक सूत्रम टाइम्स
आगरा, उत्तरप्रदेश, (भारत)
व्हाट्सएप मोबाइल
8899626767

चौदह भाषाओं के जानकार प्रशिक्षित गाइड अतिथियों को घुमायेगे अयोध्याधाम

लखनऊ (संवाददाता)

श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या पर्यटकों को आकर्षित करने वाला धर्मस्थल होगा। इससे रोजगार बढ़ने के साथ अर्थव्यवस्था को भी रफ्तार मिलेगी। बड़ी संख्या में पर्यटकों के आगमन के दृष्टिगत टूरिस्ट गाइड की आवश्यकता को लेकर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने तैयारियां कर ली हैं। अब तक 135 गाइड तैयार किए जा चुके हैं, जो 14 भाषाओं में पर्यटकों से बात कर सकेंगे। इन गाइडों को 10 वर्ष के लिये लाइसेंस दिया गया है। इन्हें ज्यादातर भारतीय भाषाओं का ज्ञान है और अधिकांश गाइड अयोध्या एवं उसके आसपास के रहने वाले हैं।

हाईकोर्ट के जज करें ओशो की मृत्यु विवाद की जांच-तारा

महोबा (यूएनएस)। क्रांतिकारी संत ओशो के 33वें परिनिर्वाण दिवस पर आज बुंदेलों ने गोरखगिरि पर्वत के ऊपर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की एवं हास्य व सक्रिय ध्यान कर ओशो को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। साथ ही बुंदेली समाज के संयोजक तारा पाटकर ने ओशो की मृत्यु की अनसुलझी गुत्थी को सुलझाने के लिए हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच कमेटी बनाने की मांग उठाई। उन्होंने इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चिट्ठी भी लिखी।ओशो के अनुयायी तारा पाटकर ने कहा कि इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति क्या होगी कि 33 साल बीत गए लेकिन इस शताब्दी के सबसे महान विचारक ओशो की विवादास्पद मृत्यु का रहस्य अभी तक नहीं सुलझा।जिस आध्यात्मिक गुरू ने ध्यान की 113 विधियां खोजकर पूरे पश्चिम जगत को हिला दिया,उसकी मृत्यु पर आज भी देश की सरकारें खामोश हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हमें उम्मीद है कि वे जरूर ओशो की मृत्यु पर निष्पक्ष जांच करवाएंगे।उन्होंने कहा कि ओशो के शिष्य शुरू से इसकी मांग उठा रहे हैं लेकिन महाराष्ट्र की सरकारों ने अब तक ओशो की मृत्यु की जांच के लिए कमेटी तक नहीं बनायी।

इससे ओशो के करोड़ों अनुयायी काफी आहत है।कहीं ऐसा न हो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की तरह ओशो की मृत्यु पर पड़ा पर्दा षडयंत्र की भेंट चढ़ जाए।पुणे आश्रम में जब ओशो की मृत्यु हुई,उस वक्त न तो उनके निजी चिकित्सक गोकुल गोकर्ण को अंदर जाने दिया गया और न उनकी मां को।बाद में गोकुल ने माना कि आश्रम प्रबंधन ने मृत्यु प्रमाण पत्र पर उनसे जबरन हस्ताक्षर कराये।

अपनी पुस्तक हू किल्ड ओशो में पत्रकार अभय वैद्य ने भी तमाम सवाल उठाये। ओशो के शिष्य योगेश ठक्कर ने मुंबई हाईकोर्ट में ओशो की वसीयत विवाद पर जनहित याचिका दायर की।तारा पाटकर ने कहा कि ईसाइयत के पाखंड पर हमला करने के कारण तिलमिलाई अमेरिकी सरकार ने जेल में धीमा जहर थैलीसियम देकर ओशो को मारने का षडयंत्र रचा या फिर उनके लोभी विदेशी शिष्यों ने हजारों करोड़ की उनकी विरासत को हड़पने के लिए उनको 59 वर्ष की आयु में मार दिया।इस मौके पर अवधेश गुप्ता,मनीष जैदका, गया प्रसाद कोस्टा, डा, देवेन्द्र पुरवार, मुन्ना जैन,प्रेम चौरसिया, सत्येन्द्र गुप्ता समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

स्वाधीनता संग्राम में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका: मनोहर लाल पॅथ

अध्यक्ष वीर धनंजय सहित सभी का शपथ ग्रहण समारोह

हमीरपुर। भारत की आजादी की लड़ाई मे पत्रकारिता का बडा योगदान रहा है । लाला लाजपत राय लोक मान्य तिलक महात्मा गॉधी सभी ने अपने पत्रकारिता को पवित्र हथियार मान कर इसका सॅबल प्राप्त किया । जिला प्रेस क्लब हमीरपुर द्वारा मुख्यालय के झालकारी बाई सभागार मे आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के मॅत्री मनोहर लाल पॅथ ने नव निर्वाचित पदाधिकारियो को शपथ दिलाते हुये आवाहन किया कि आप लोग ईमानदारी के साथ पत्रकार की भूमिका निभाते हुए गरीबो कमजोरो के मददगार बने । ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय सॅयोजक देवी प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता मे संपन्न कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि का स्वागत जिला प्रेस क्लब के सॅरक्षक वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मी नारायण द्विवेदी तथा नव निर्वाचित अध्यक्ष वीर धनंजय चौरसिया ने किया । कार्यक्रम मे भाजपा प्रभारी देवेश कोरी ने कलम की भूमिका को अत्यंत महत्व पूर्ण बताया । जिला पंचायतअध्यक्ष प्रतिनिधि सॅतराम राजपूत ने क्लब को आवश्यक सहयोग के लिए आश्वस्त किया । हमीरपुर नगर पालिकाध्यक्ष कुलदीप निषाद ने जिला प्रेस क्लब के कार्यो की सराहना करते हुये और तेजी से काम करने का आवाहन किया

वरिष्ठ पत्रकार अनवर भाई ने सॅचालन किया । वरिष्ठ पत्रकार गणेश सिंह विद्यार्थी एस पी शुक्ला सहित अनेक पत्रकार सम्मानित किये गये । अध्यक्ष वीर धनंजय चौरसिया एवम सॅरक्षक लक्ष्मी नारायण द्विवेदी ने आभार व्यक्त किया।

देशभर से 1 लाख क्विंटल फूल पहुंचा अयोध्या, दुल्हन की तरह सज रही रामनगरी

अयोध्या (संवाददाता)

रामनगरी अयोध्या में 22 जनवरी को भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी ।प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरा देश राममय हो गया है ।प्राण प्रतिष्ठा के लिए अनुष्ठान जारी है ।देश में रामभक्ति की ऐसी जबरदस्त हवा चली है कि शहर और गांव रामनगरी बन गया है ।प्राण प्रतिष्ठा को लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रामलीला का मंचन जारी है तो रामनगरी अयोध्या पहुंचे लाखों रामभक्त रामलला की भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं ।देशभर से एक लाख क्विंटल फूल रामनगरी पहुंच चुका है ।इन फूलों से रामनगरी को सजाया जाएगा।

पुष्प वाटिका की तरह सजी अयोध्या

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के पुराने किले में रामलीला का मंचन शुरू हो चुका है ।भारत सरकार की तरफ से आयोजित की गई

इस रामलीला में विदेश से आए कलाकार मंचन कर रहे हैं। गुरुवार को देश के कलाकारों ने रामलीला का मंचन किया। शुक्रवार को इंडोनेशिया और मलेशिया के कलाकार मंचन करेंगे ।रामलला के स्वागत के लिए देशभर से एक लाख क्विंटल फूल रामनगरी अयोध्या पहुंचा है। रामनगरी इस समय पुष्प वाटिका की तरह लग रही है ।हर तरफ रंग बिरंगे फूल ही दिखाई दे रहे हैं ।महिलाएं भगवान राम के भजन गुनगुना रही हैं और साधु-संत शंखनाद कर रहे हैं।

प्राण प्रतिष्ठा में डमरू दल देगा प्रस्तुति

भोपाल का डमरू दल भी

रामनगरी अयोध्या के लिए रवाना हो चुका है।

इस दल में 108 लोगों हैं जो 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर अपने डमरू की ध्वनि से रामलला का स्वागत करेंगे। रामनगरी अयोध्या रवाना होने से पहले ये डमरू भोपाल में गूंजे ।उत्सव की तैयारी रामनगरी अयोध्या में हो रही है तो देशभर से रामनगरी के लिए सौगातें भेजी जा रही हैं ।गुरुवार को जयपुर से प्रसाद के लगभग एक लाख पैकेट रामनगरी अयोध्या भेजे गए हैं। जयपुर से भेजे गए लड्डू के इस खास पैकेट को विश्व हिंदू परिषद के साथ मिलकर स्थानीय लोगों ने तैयार करवाया है।

*मैं भी राम मंदिर के आंदोलन का हिस्सा था- कलराज मिश्र

जयपुर के अलावा राजस्थान के दौसा के मेहंदीपुर बालाजी में राज्यपाल कलराज मिश्र ने 3 लाख देसी घी के लड्डुओं को गाड़ियों में सवार कर हरी झंडी दिखाई।

साप्ताहिक युवा पखवाड़ा में खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित हुई

चरखारी (महोबा)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद चरखारी नगर इकाई द्वारा राष्ट्रीय युवा महोत्सव पर चल रहे साप्ताहिक युवा पखवाड़ा के अंतर्गत एक दिवसीय खेल - कूद प्रतियोगताएं आयोजित करायी गई।

एबीवीपी चरखारी नगर इकाई के द्वारा शनिदेव खेल मैदान शेकनफाटक में गुरु गोविंद सिंह जयंती मनाई गई एवं विभिन्न प्रकार की खेल कूद प्रतियोगताएं आयोजित कराई गई सभी प्रतिभागी विजेताओं को सम्मानित किया गया। खेल प्रतियोगिताएं दौड़,भाला,तबा फेंक,कैरम,शतरंज,वेंडमिंटन,अन्य खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करायी गई।

जिसमे *मुख्य अतिथि* आर. एन. मिश्रा तहसीलदार चरखारी *मुख्य वक्ता* अपूर्व भदौरिया एबीवीपी जिला संगठन मंत्री महोबा,विशिष्ट अतिथि उदित राजपूत विधायक प्रतिनिधि चरखारी,एवं नरेंद्र सिंह सेंगर आरएसएस नगर शारीरिक शिक्षक प्रमुख,सचिन पाठक नगर मंडल अध्यक्ष,प्रदीप कुमार खरे कानूनगो चरखारी ,जीतू यादव सभासद टिलवापुरा, हरिसिंह कुशवाहा सभासद सुहरयांव, शशिकांत तिवारी सभासद अमरगंज,गरजन सिंह परमार सभासद रूपनगर,रामकिशोर प्रजापति सभासद हटवारा,पूर्व ब्लॉक निर्भय सिंह,अनिल कुशवाहा पूर्व प्रांत सह मंत्री *समाजसेवी* गुन्नी नन्ना घोष,रामकुमार,राम अवतार, बाबूलाल कार्यक्रम संयोजक पवन कुशवाहा (प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य) *संचालन समिति प्रमुख* इन्द्र कुमार कुशवाहा (पूर्व प्रांत कार्यकारिणी सदस्य), *व्यवस्था प्रमुख* मोहित घोष (जिला संयोजक), सह प्रमुख भागीरथ रैकवार जी पूर्व नगर सहमंत्री,अनिल प्रजापति,देवेंद्र घोष,रंजीत,दिनेश कुशवाहा, खेमचंद,पुष्पेंद पाल *प्रतियोगिता निर्णायक* शिवम, हरगोबिन्द, लक्ष्मीप्रसाद, विजेता *शतरंज* प्रथम स्थान करन कुशवाहा,द्वितीय सुरेंद , तृतीय उमाकांत। *दौड़ 100 मीटर छात्राएं प्रथम स्थान जूली, द्वितीय इच्छा, तृतीय प्रतीक्षा। *दौड़ 100 मीटर छात्र प्रथम स्थान पुष्पेंद्र, द्वितीय अरवाज, तृतीय अर्ष पठान भाला फेंक छात्र प्रथम स्थान हरगोविंद, द्वितीय शिवम, तृतीय रोहित।

तबा फेंक छात्र प्रथम स्थान रोहित,द्वितीय,लक्ष्मीप्रसाद, तृतीय श्रवण कुमार।

कैरम छात्राएं प्रथन स्थान मालती, द्वितीय सिमरन, तृतीय इच्छा, कैरम छात्र भुमानीदीन मातादीन, मकरन। बैडमिंटन अन्य खेल प्रतियोगिताओं में जिसमे 90 (नब्बे) छात्र - छात्राओं ने प्रतिभाग किया एवं कार्यकर्ता मनीष अहिरवार, आदर्श चक्रवर्ती, राजेश, जयकुमार, जीतेंद्र, शैलेंद्र, रोहित, अमित, जीतेंद्र, बृजेंद्र, हिमांशु कुशवाहा, दशरथ, रोहित प्रजापति, दीपक सहित भारी संख्या में छात्र छात्राएं एवं लगभग पांच सैकड़ा दर्शक मौजूद रहे।

युवा साहित्यकार इंजी. ललित शौर्य हुए बरेली उत्तरायणी मेले में सम्मानित

पिथौरागढ़ (संवाददाता)। सीमांत के युवा बाल साहित्यकार, उद्घोषक इंजी.ललित शौर्य को उत्तरायणी जनकल्याण समिति बरेली द्वारा 28 वें उत्तरायणी मेले में सम्मानित किया गया। क्लब मैदान बरेली में आयोजित रंगारंग उत्तरायणी मेले में समिति के अध्यक्ष अमित कुमार पंत, महासचिव मनोज पांडे, कोषाध्यक्ष कमलेश बिष्ट, मेला डॉयरेक्टर भूपाल सिंह, मीडिया प्रभारी रमेश चंद्र शर्मा, सांस्कृतिक प्रभारी पूरन सिंह दानू की उपस्थिति में किया गया। इंजी. ललित शौर्य लंबे समय से साहित्यिक गतिविधियों में संलग्न हैं। उनकी बाल साहित्य की पुस्तकें बच्चे बहुत अधिक पंसद कर रहे हैं। जल संरक्षण, स्वच्छता, गुलदार जागरुकता संबंधी इंजी. शौर्य की पुस्तकें हजारों बच्चों तक पहुंच चुकी हैं। उन्होंने अब तक विभिन्न प्रयासों से 25 हजार से अधिक बच्चों तक नि:शुल्क बाल साहित्य की पुस्तकें वितरित की हैं। शौर्य लंबे समय से पहाड़ों पर 卐मोबाईल नहीं, पुस्तक दो卐 अभियान चला रहे हैं।

सम्मान करते हुए समिति के अध्यक्ष अमित पंत ने कहा, ईंजी. ललित शौर्य एक श्रेष्ठ साहित्यकार के साथ-साथ ओजस्वी मंच संचालक भी हैं। उनकी यह कला चमत्कृत करती है। उन्हें हजारों लोगों को एक साथ बांधें रखने की अद्भुत क्षमता है। समिति के महासचिव मनोज पांडे ने कहा इंजी. ललित बाल मन के साथ वरिष्ठ जनों के भी चितेरे हैं। उनकी वाणी सभी को आकर्षित करती है। समिति उनके उज्वल भविष्य की कामना करती है।

मेला डॉयरेक्टर भूपाल सिंह ने कहा इंजी. ललित शौर्य की किताबें पहाड़ में नई पीढ़ी का मार्गदर्शन कर रही है। शौर्य का प्रयास प्रशंसनीय है।

उत्तरायणी जन कल्याण समिति के मीडिया प्रभारी रमेश चंद्र शर्मा ने कहा ईजी. ललित शौर्य का लेखन एवं वाचन सभी को प्रभावित करता है। उनपर मां वाग्देवी की विशेष कृपा है। वह पहाड़ का गौरव हैं। मेला समिति उनके प्रयासों के लिए सम्मानित कर रही है।

इस अवसर पर विनोद जोशी, पूरन सिंह दानू, चंदन नेगी, कार्तिक पाटनी आदि लोग उपस्थित थे।

मेले में हजारों की संख्या में उपस्थित जन सैलाब के बीच इंजी. ललित शौर्य को यह सम्मान प्राप्त हुआ। इस बार 28 वें उत्तरायणी मेला बरेली का सफल संचालन भी इंजी. शौर्य द्वारा ही किया गया।

सर्द हवाओं ने बिगाड़े हाल, ठंड से युवक की मौत

महोबा/कबरई। बुंदेलखंड की पठारी धरती पर इस बार सर्दी का प्रकोप कुछ ज्यादा ही देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को मौसम का अधिकतम तापमान 14 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान सात डिग्री दर्ज किया गया। इस दौरान 82 फीसदी आर्द्रता व हवा की रफ्तार 10 किमी प्रति घंटा रही। कृषि विज्ञान केंद्र बेलाताल के वैज्ञानिक एसपी सोनकर का कहना है कि अभी आगामी चार दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा।

बूंदाबांदी की भी संभावना है। कबरई संवाद के अनुसार कस्बे के इंदिरा नगर निवासी इंद्रपाल कुशवाहा का पुत्र मनीष (22) एक दुकान में काम करता था। बुधवार की दोपहर करीब एक बजे ठंड लगने से मनीष की हालत बिगड़ गई। उल्टी व पेट में दर्द होने पर परिजन उसे सीएचसी कबरई ले गए। जहां से डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हालत में सुधार न होने पर परिजन मनीष को मेडिकल कॉलेज झांसी ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई।

अयोध्या में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये 135 गाइड तैयार

गाइड श्रद्धालुओं को अयोध्या के पौराणिक एवं आधुनिक स्थलों के बारे में देंगे जानकारी–जयवीर

लखनऊ (यूएनएस)। अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद यह बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करने वाला धर्मस्थल होगा। इससे रोजगार बढ़ने के साथ अर्थव्यवस्था को भी रफ्तार मिलेगी। पर्यटकों के आगमन को देखते हुए बड़ी संख्या में टूरिस्ट गाइड की आवश्यकता को देखते हुए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने तैयारियां कर ली हैं। अब तक 135 गाइड तैयार किए जा चुके हैं, जो 14 भाषाओं में पर्यटकों से बात कर सकेंगे। इन गाइडों को 10 वर्ष के लिये लाइसेंस दिया गया है। इन्हे ज्यादातर भारतीय भाषाओं का ज्ञान है और अधिकांश गाइड अयोध्या एवं उसके आसपास के रहने वाले है। उत्तर प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मान्यवर कांशीराम इंस्ट्यूट आफ टूरिज्म मैनेजमेंट लखनऊ एमकेआइटीएम टूरिस्ट गाइड तैयार करने के लिए अधिकृत संस्था है। अयोध्या में टूरिस्ट गाइड के प्रशिक्षण के लिए एमकेआइटीएम में लगभग 235 छात्रों ने आवेदन किया था। इनमें प्रशिक्षण के लिए 167 छात्रों को योग्य पाया गया था। इन छात्रों को केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की गाइडलाइन के अनुसार करीब 40 दिन प्रशिक्षण के बाद परीक्षा कराई गई। परीक्षा में 148 छात्र उपस्थित हुए, इसमें 135 पास हुए। इन छात्रों को सर्टिफिक्रेट जारी की गयी है। 40 दिन के प्रशिक्षण के बाद उत्तीर्ण हुए 135 छात्रों को लोकल लेवल टूरिस्ट गाइड का लाइसेंस दिया गया है। यह लाइसेंस 10 वर्षों के लिए वैध होगा। इसके बाद रिन्यूअल भी हो सकता है। संस्थान की ओर से अयोध्या में पहले से 13 टूरिस्ट गाइड सेवा दे रहे हैं। मान्यवर कांशीराम इंस्ट्यूट आफ टूरिज्म मैनेजमेंट लखनऊ में करीब 40 दिन की अवधि में बांग्ला, गुजराती, नेपाली और तेलगू का प्रशिक्षण दिया गया है। जिन छात्रों ने जिस भाषा का चयन किया था, उन्हें उसका प्रशिक्षण दिया गया है। लगभग सभी छात्रों को हिंदी और अंग्रेजी भाषा का ज्ञान है। इसके अलावा कुछ छात्रों को मराठी, पंजाबी, सिंधी, तमिल, कन्नड़, फ्रेंच, रशियन और कोरियन भाषा में भी संवाद कर सकेंगे। पर्यटन मंत्री ने बताया कि संस्थान द्वारा जिन छात्रों को लाइसेंस दिया गया है, इसमें 100 से ज्यादा अयोध्या और अन्य आसपास के जिलों से हैं। अयोध्या के धार्मिक, अध्यात्मिक, भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक और ऐतिहासिक स्थिति से पहले से परिचित हैं। प्रशिक्षण के दौरान इनको अयोध्या में हो रहे बदलावों और भविष्य की आवश्यकताओं से परिचित कराया गया है। बीच में छात्रों को फिल्ड विजिट भी कराया गया है। अयोध्या में काम करने वाले टूरिस्ट गाइड ने भी इन छात्रों को प्रशिक्षण दिया है। इस प्रकार सभी छात्रों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक रूप से प्रशिक्षित किया गया है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि अयोध्या विश्व की सुंदरतम नगरी के रूप में विकसित हो रही है। यहां बड़ी संख्या में पर्यटक आएंगे। इसके दृष्टिगत टूरिस्ट गाइड तैयार किए गए हैं। इससे लोगों को भ्रमण में काफी सुविधा मिलेगी।

अयोध्या राम मंदिर दर्शन के लिए कराना होगा रजिस्ट्रेशन

लखनऊ (यूएनएस)। अयोध्या राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। इस शुभ घड़ी में शामिल होने के लिए देश के वीवीआईपी को विशेष प्रकार का निमंत्रण पत्र भेजा गया है। सुरक्षा दृष्टि से प्राण प्रतिष्ठा के दिन प्रवेश करने को लेकर निवेदन पत्र में कुछ महत्वपूर्ण बिंदु दिए गए हैं जिसका पालन इस कार्यक्रम में प्रवेश होने वाले हर व्यक्ति को करना पड़ेगा। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण कार्ड मेहमानों को हाथ से वितरित किए जा रहे हैं। इस निमंत्रण कार्ड में मंदिर और भगवान राम की एक भव्य छवि है। निमंत्रण में एक बुक शामिल है जिसमें राम जन्मभूमि आंदोलन में शामिल प्रमुख लोगों के बारे में बताया गया है।

अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट की आमंत्रित सूची में 7,000 से अधिक लोग शामिल हैं। 22 जनवरी के समारोह में आमंत्रित सदस्यों को राम जन्म भूमि परिसर में 11 बजे प्रवेश दिया जाएगा और 3 घंटे तक वह परिसर में ही मौजूद रहेंगे।22 जनवरी को शामिल होने वाले लोगों को अपना आधार कार्ड साथ रखना होगा। सुरक्षा कारणों से मोबाईल, पर्स, झोली, छत्र, बंबर, सिंहासन, निजी पूजा के ठाकुर और गुरु पादुकाएं समारोह स्थल पर नहीं ले जा सकेंगे।कार्यक्रम स्थल पर सुबह 11 बजे से पहले ही प्रवेश करना होगा।कार्यक्रम स्थल तक पहुचने और वापस आने के लिए एक किलोमीटर तक पैदल चलना होगा।एक निमंत्रण पत्र पर केवल एक ही व्यक्ति का प्रवेश होगा। किन्हीं धर्माचार्य या संत महापुरुष के साथ जो भी सुरक्षाकर्मी होंगे वे भी कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

प्रधानमंत्री के मन्दिर परिसर से बाहर जाने के बाद ही मन्दिर परिसर में विराजमान अतिथि रामलला के दर्शन कर सकेंगे।अयोध्या राम मंदिर में दर्शन के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा। आफलाइन पास बनवाने के लिए आपके पास आधार कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस और वोटर आईडी कार्ड में से कोई भी एक आईडी होना जरूरी है। अपनी आईडी साथ लेकर मंदिर के पास बने काउंटर के पास जाना होगा वहां से आप आसानी से बुकिंग करवा सकते हैं। ध्यान रखे कि जो भी आईडी बुकिंग के समय दिखाई गई हो उसे श्रद्धालु अपने पास जरूर रखें।

श्री राम का प्राण प्रतिष्ठा समारोह मनाया जाएगा

झांसी (यूएनएस)। 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम जी की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साथ ही पूरे देश में आम जनमानस द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है इसी के तहत प्रयास सभी के लिए संस्था के तत्वाधान में 22 जनवरी को महारानी लक्ष्मीबाई पार्क में शानदार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए संस्थापक अध्यक्ष मनमोहन गेड़ा एवं अध्यक्ष सुनील खरे ने बताया कि इस अविस्मरणीय दिन को भव्यता के साथ मनाने के लिए हमारी संस्था प्रयास सभी के लिए एक बड़ा भव्य मंच बनाकर राम दरबार के स्वरूपों का प्रदर्शन करेंगे साथ-साथ नाट्य मंचन की प्रस्तुत की जाएगी महा आरती के पश्चात प्रसाद वितरण व दीपक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।इस कार्यक्रम की तैयारियों के लिए एक बैठक का आयोजन रामनाथ गेडा सभागार सिविल लाइंस में किया गया जिसमें आयोजित कार्यक्रमों की तैयारी को अंतिम रूप दिया गया एवं इस कार्यक्रम की संयोजन की जिम्मेदारी एडवोकेट अनिल श्रीवास्तव वैदेही शरण सरावगी प्रदीप गुप्ता रानीपुर एवं रामकुमार यादव ग्वाला को सौंपी गई बैठक का संचालन संरक्षक रामकुमार लोहिया में आभार ज्ञापन महामंत्री रामबाबू शर्मा ने किया।

श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर राममय हुई बाराबंकी

बाराबंकी (यूएनएस)। 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे देश में रामोत्सव मनाया जा रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में भी राममय माहौल है। गांव हो या शहर हर जगह पर मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम का बखान किया जा रहा है। साथ ही उनकी भव्य झांकी भी निकाली जा रही है। श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मंदिरों में भजन, कीर्तन, सुंदरकांड और रामायण का पाठ किया जा रहा है। बाराबंकी शहर के धनोखर हनुमान मंदिर पर सुंदरकांड का पाठ हो रहा है।

परिवहन निगम अयोध्या के लिए चलायेगा रामरथ बसें: दयाशंकर

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं को अयोध्या रामजनम भूमि व भगवान श्रीराम मंदिर दर्शन करने आने के लिए बेहतर सुविधायुक्त रामरथ बसें जल्द ही संचालित की जायेंगी। परिवहन निगम ने प्रथम चरण में 10 बसों के संचालन की योजना बनायी है। प्रथम चरण में 10 बसे अयोध्या के लिए चलायी जायेंगी, बाद में प्रदेश के जनपदों से अयोध्या के लिए रामरथ बसें परिवहन निगम चलाएगा। लखनऊ-अयोध्या के लिए 01, वाराणसी- अयोध्या के लिए 04, बलिया-अयोध्या के लिए 01, गोरखपुर-अयोध्या के लिए 02 एवं प्रयागराज से अयोध्या के लिए 02

रामनाथ बसें चलायी जायेंगी। श्रद्धालुओं को रामरथ बसें अलग रंग में दिखायी देंगी, जिससे कि श्रद्धालुओं को रामरथ बसों को पहचानने में सुविधा होगी।परिवहन मंत्री ने बताया कि 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण- प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या दर्शन करने आएंगे। श्रद्धालुओं को बेहतर परिवहन सेवा मुहैया हो इसके लिए स्पेशल रामरथ बसें संचालित की जा रही हैं।उन्होंने बताया कि यह बसें 51 सीटर होगी एवं किराया भी साधारण बसों के बराबर ही रखा गया है।लखनऊ चारबाग बस स्टेशन से अयोध्या धाम बस स्टेशन का किराया 256 रुपए एवं अवध बस स्टेशन से बस स्टेशन का किराया 218 होगा।

श्रीराम मंदिर में लगेगा 4 कुंटल का ताला

लखनऊ (यूएनएस)। 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का खास आकर्षण अलीगढ़ में बना 400 किलो का ताला होगा,जिसकी चाभी 30 किलो की है। इस ताले को लेकर लोग अलीगढ़ से अयोध्या के लिए रवाना हो गए हैं।अलीगढ़ में ज्वालापुरी की गली नंबर पांच निवासी ताला कारीगर सत्यप्रकाश शर्मा एवं उनकी पत्नी रुकमणी शर्मा ने 400 किलोग्राम के ताले को तैयार किया। छह फीट दो इंच लंबे और दो फीट साढ़े नौ इंच चौड़े ताले को बनाने में 65 किलोग्राम पीतल लगा। तीन फिट चार इंच लंबी इसकी चाभी तीस किलोग्राम की है,जिसे बनाने में छह महीने लगे। ताले को बनाने वाले सत्यप्रकाश शर्मा इसे श्रीराम मंदिर में देना चाहते थे, पर 12 दिसंबर 2023 को उनका निधन हो गया।

योगी ने विंटेज कार से किया राम जन्मभूमि मंदिर का निरीक्षण

लखनऊ (यूएनएस)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे और यहां सबसे पहले उन्होंने हनुमानगढ़ी मंदिर के दर्शन किए। हनुमानगढ़ी मंदिर के दर्शन के बाद मुख्यमंत्री राम मंदिर गए और 'सुखी-स्वस्थ' उत्तर प्रदेश की कामना की। सीएम योगी ने 22 जनवरी को राम मंदिर श्प्राण प्रतिष्ठाश् समारोह से पहले विंटेज कार से श्री राम जन्मभूमि मंदिर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य से मुलाकात की और नेपाली बाबा आश्रम में पूजा अर्चना की। सीएम योगी ने अयोध्या में सरयू घाट का दौरा किया और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।अयोध्या पहुंचे सीएम योगी ने सरयू घाट पर लाइफ जैकेट वितरित किए। 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों का भी जायजा लिया, मुख्यमंत्री योगी पिछले 11 दिन में तीसरी बारी अयोध्या के दौरे पर आए हैं।सीएम योगी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले सभी तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। राम मंदिर में 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया जाएगा और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई मुख्य हस्तियां उपस्थित रहेंगी। अयोध्या नगरी पूरी तरह सज-धजकर तैयार हो चुकी है। अयोध्या में भगवान राम तथा उनके धनुष-बाणों को चित्रित करने वाली कलाकृतियों रामभक्तों का मन मोह रही हैं और वहीं फ्लाईओवर पर लगी स्ट्रीटलाइट और पारंपरिक 'रामानंदी तिलक' विषय पर आधारित डिजाइन वाले सजावटी लैंपपोस्ट चारों तरफ छटा बिखेर रहे हैं। अयोध्या नगरी में राम पथ और धर्म पथ दो मुख्य रास्ते हैं, जो इस समय आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या नगरी की साजो सज्जा मनमोहक लग रही है।

प्राण प्रतिष्ठा व गणतंत्र दिवस को लेकर चेकिंग अभियान जारी

लखनऊ (यूएनएस)। अयोध्या में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा व गणतंत्र दिवस की तैयारी के बीच लखनऊ पुलिस सड़कों पर सघन चेकिंग अभियान चला रही है। इस दौरान वाहनों को रोक कर चेक किया जा रहा है साथ में संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ भी हो रही है। लखनऊ पुलिस कमिश्नर एसबी शिरडकर ने बताया की अयोध्या में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम और लखनऊ में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के चलते सड़कों पर वाहनों की कड़ी सुरक्षा के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया सभी थाना प्रभारी को अलर्ट रहने का भी निर्देश दिया गया है। लखनऊ के हजरतगंज थाना क्षेत्र में सहायक पुलिस आयुक्त अरविंद वर्मा व प्रभारी निरीक्षक हजरतगंज विक्रम सिंह के नेतृत्व में चेकिंग अभियान जारी है इस दौरान कई गाड़ियों की काली फिल्म को भी हटाया गया है। वहीं दूसरी ओर ट्रैफिक पुलिस ने भी काफी संख्या में वाहनों का चलन भी किया है। डीसीपी ट्रैफिक हर्देश कुमार ने बताया काली फिल्म लगी गाड़ियों को रोक कर चेक किया जा रहा है और उनकी काली फिल्म उतरवाई जा रही है जो मनमानी कर रहे हैं उनके खिलाफचालान की कार्रवाई की जा रही है। लखनऊ पुलिस कमिश्नर ने बताया सभी उपनिरीक्षक व फेस के साथ सभी बस अड्डा व सभी थाना क्षेत्र में पड़ने वाले पार्किंग, होटल, ढाबा व मेट्रो स्टेशन को चेकिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही पैदल गस्त कर संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी के साथ पूछताछ की जा रही है।

अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं के उपचार हेतु आयुष चिकित्सकों व स्टाफकी तैनातीः दयालु

लखनऊ (यूएनएस)। रामनगरी अयोध्या में आयोजित कार्यक्रमों को देखते हुए आने वाले श्रद्धालुओं एवं आगन्तुकों को आयुर्वेद निदेशालय द्वारा अयोध्या एवं आस-पास के जनपदों में आयुष चिकित्सा सेवाएं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। श्रद्धालुओं के उपचार के लिए पर्याप्त संख्या में होम्योपैथ, आयुर्वेद, यूनानी अस्पतालों तथा ओपीडी के माध्यम से मरीजों का उपचार किये जाने के सख्त निर्देश दिये गये हैं। उपचार एवं अन्य सुविधाओं को सुचारू रूप से संचालित कराने के लिए नोडल अधिकारियों की ड्यूटी भी लगा दी गयी ह। प्रदेश के आयुष राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन एमओएस डा दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने दी। उन्होंने बताया कि अयोध्या तथा आस-पास के जनपदों जैसे बाराबंकी, अम्बेडकरनगर, बस्ती, गोण्डा, सुल्तानपुर तथा अमेठी में 201 आयुर्वेद चिकित्सक, 146 चिकित्साधिकारी तथा 140 फार्मासिस्ट, 158 होम्योपैथ चिकित्सक तथा 132 चिकित्साधिकारी एवं 156 फार्मासिस्ट के अलावा 32 यूनानी चिकित्सक एवं 25 चिकित्साधिकारी तथा 21 फार्मासिस्ट तैनात किये गये हैं। ये सभी चिकित्सक एवं पैरा मेडिकल स्टाफ श्रद्धालुओं को चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं।

डॉ दयालु ने बताया कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में 22 जनवरी को होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में देशभर से आने तीर्थ यात्रियों को आयुष पद्धति से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुष विभाग द्वारा विभिन्न जनपदों के प्रमुख स्थलों पर आयुष कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत अयोध्या, बाराबंकी, अम्बेडकरनगर, बस्ती में 3-3 कैम्प, गोण्डा में 04, सुल्तानपुर में 02 तथा अमेठी में 02 कैम्पों की स्थापना की गयी है। इन कैम्पों में पर्याप्त संख्या में चिकित्साधिकारी तथा फार्मासिस्ट लगाये गये हैं। इन कैम्पों में आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी औषधियां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करायी गयी हैं।आयुष मंत्री ने बताया कि इन स्थापित 07 जनपदों के कैम्पों के माध्यम से अयोध्या में 1500, बाराबंकी में 400, अम्बेडकरनगर में 890, बस्ती में 1100, गोण्डा में 1409, सुल्तानपुर में 300 तथा अमेठी में 100 मरीजों का उपचार किया गया है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में तुलसी उद्यान, छोटी देवकाली, कनक भवन में कैम्प स्थापित किये गये हैं।

अयोध्या में वीवीआईपी की सिक्योरिटी में लगी 45 टीमें

लखनऊ (यूएनएस)। 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अयोध्या आने वाले वीवीआईपी लोगों को चुनिंदा पुलिस कर्मियों की 45 टीमें सुरक्षा प्रदान करेंगी। अच्छे व्यवहार और संचार कौशल से लैस इन टीमों का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक रैंक के अधिकारी करेंगे ताकि आमंत्रित लोगों की परेशानी मुक्त आवाजाही हो सके।बताते हैं कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी के विशेष सुरक्षा समूह यानि एसपीजी के अलावा किसी भी वर्गीकृत सुरक्षा या निजी सुरक्षा को अयोध्या में अनुमति नहीं होगी।ये पुलिसकर्मी फॉर्मल कपड़े पहनेंगे और वीवीआईपी के पास तैनात रहेंगे।वीवीआईपी आमंत्रितों में बड़े उद्योगपति, उद्यमी, राजनेता, खिलाड़ी, फिल्म सितारे, आध्यात्मिक नेता और मीडिया दिग्गज शामिल हैं।अधिकारियों ने कहा कि इनमें से प्रत्येक टीम में पांच उप-निरीक्षक और एक पुलिस उपाधीक्षक शामिल होंगे। 33 जिलों और पुलिस आयुक्तालयों से चयनित युवा उप-निरीक्षकों की साठ और टीमों को हवाईअड्डे जैसी तलाशी ड्यूटी के लिए तैनात किया जाएगा। इनमें से प्रत्येक टीम में पांच उप निरीक्षक और एक पुलिस उपाधीक्षक शामिल होंगे।33 जिलों और पुलिस आयुक्तालयों से चयनित युवा उप-निरीक्षकों की साठ और टीमों को हवाईअड्डे जैसी तलाशी ड्यूटी के लिए तैनात किया जाएगा।

सोलर बोट का किया उद्घाटन

लखनऊ (यूएनएस)। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भव्य और दिव्य बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तरह से तत्पर है।

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा प्रिंट आर्ट आफसेट, 33 कैण्ट रोड, लखनऊ से मुद्रित तथा प्रथम तल, कैपिटल सिनेमा बिल्डिंग, विधानसभा मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ-226001 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी
कार्यकारी सम्पादक
डॉ. एस.के.गोपाल
प्रबंध सम्पादक
होमेन्द्र कुमार मिश्र
क्रिएटिव एडिटर
नैमिष सोनी
विशेष संवाददाता
सौरभ कुमार पाण्डेय
संवाददाता
जादूगर सुरेश कुमार
सम्पर्क : 9451532641, 8765919255

ईमेल :janveenanews@gmail.com

RNI No. UPHIN/2011/43668

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।